जानना

(क) नीचे कुछ प्रश्न दिए हैं। उनके उत्तर दो। उत्तर देने से पहले जानना पड़ेगा। जानने के लिए शरीर का कौनसा <u>अंग</u> काम में लिया? यह भी लिखना है। <u>सारणी</u> में लिखने का तरीका अपने अध्यापक से पूछ लो।

<u>अंग</u> क्या होता है ? <u>सारणी</u> क्या होती है ? यह भी अपने अध्यापक से पूछो।

नोट :आगे सारणी में प्रश्नों का उत्तर देने से पहले बालक जानने के लिए कुछ करे। जैसे – छूना, सूंघना, सुनना आदि।

सारणी – एक

प्रश्न	उत्तर	पता लगाने के लिए यह अंग काम आया
1. तुम्हारे अध्यापक के बालों का रंग कैसा है?		
2. नीम का पत्ता खाने में कैसा लगता है?		
3. तुम्हारे दोस्त व अध्यापक में से किसकी आवाज भारी है ?		
4. बाहर जमीन गरम है या ठंडी ?		
5. अपने चार दोस्तों के सिरों को सूंघो। सब के सिर में एक जैसी गंध आती है या अलग–अलग ?		
6. एक बार बजाने से घंटी ज्यादा देर आवाज करती है या पत्थर ?		
7. काली चींटी को सूंघो। कैसी गंध है ?		
8. खेजड़ी और झाड़ी के पत्तों के स्वाद एक जैसे हैं क्या ?		
9. अभी आसमान में बादल हैं या नहीं ?		

10. यह किताब ज्यादा चिकनी है या दीवार ?		
11.याद करके बताओ कल रात तुमने क्या खाया था ?		
12.इस कमरे में कोई चिड़िया है या नहीं ?		
13.क्या अभी शोर हो रहा है ?		
14.धूप में पड़ा पत्थर ज्यादा गर्म है या मिट्टी ?		
15. क्या तुम्हारी किताब में खुशबू आ रही है ?		
16. अभी आंधी आ जाये तो क्या होगा ?		

नोट : – प्रश्न 11 व 16 के बारे में बात–चीत करें। इनके उत्तर जानने के लिए अभी किसी अंग को काम में नहीं लेना पड़ा। दिमाग को काम में लिया है। क्या बाकी प्रश्नों के उत्तर बिना दिमाग को काम में लिये दिये जा सकते हैं ?

(ख) सारणी एक में आये सभी प्रश्नों को छांटो।

सारणी दो में छांटना है। प्रश्न पूरा लिखने की जरूरत नहीं है। उनके नम्बर लिख दो। अपने अध्यापक से ठीक से समझ लो।

सारणी – दो

प्रश्नों के उत्तर का पता लगता है :

आखों से	कानों से	नाक से	चमड़ी से	जीभ से	अकेले दिमाग से

(ग) इन शब्दों को काम में लेते हुए उत्तर दो :

ठंडा, गरम, गंध, रंग, स्वाद, आवाज, कठोर–कोमल, आकार

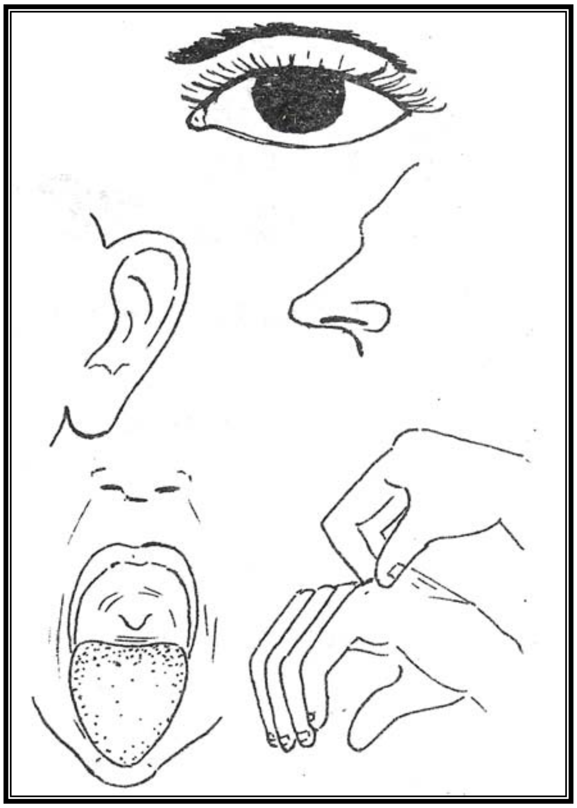

1. आंखों से क्या पता चलता है ?

   ....

2. कानों से क्या पता चलता है ?

   ....

3. नाक से क्या पता चलता है ?

   ....

4. जीभ से क्या पता चलता है ?

   ....

5. चमड़ी से क्या पता चलता है ?

   ....